पहाड़ों की तरफ नज़र उठाऊँगा......2

मेरी सहायता कहाँ से आएगी....2

जिसने आसमान और ज़मी बनायी है

उसी खुदा को मैंने मद्दगार पाया है

मदद उसी से मैं तो पाऊँगा.....2

1 फिसलने न देगा तेरे पाँव को कभी

ऊँघने का नहीं मुहाफिज़ तेरा कभी

वो कभी न ऊँघेगा वो कभी न सोयेगा

देखो इस्राइल का रक्षक है खुदा

मदद उसी से मैं तो पाऊँगा.....

2 सुन ले मुहाफिज़ तेरा प्रभु यहोवा है

तेरे दाहिने हाथ पे तेरा साहिबां है 2

ना आफताब दिन को न महताब रात को

तुझको कभी न ये सतायेंगे

हर बला से खुदा ही बचायेंगे

आते जाते बचायेंगे

हमको यक़ीन है बचायेंगे